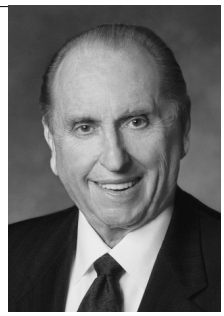

अध्यक्ष
थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

प्रेम के साथ प्रभु की सेवा करें

प्रभु यीशु मसीह ने सीखाया था, ''क्योंकि जो कोई अपना प्राण बचाना चाहेगा वह उसे खोएगा, परन्तु जो कोई मेरे लिये अपना प्राण खोएगा वही उसे बचाएगा'' (लूका 9:24) ।

''मैं विश्वास करता हूं'' अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने कहा था, ''उद्धारकर्ता कह रहा है जब तक हम स्वयं को दूसरों की सेवा में खो नहीं देते, हमारे स्वयं के जीवन में कोई उद्देश्य नहीं होगा । जो केवल अपने लिये जीते हैं अंततः नष्ट हो जाते हैं और एक प्रकार से अपने जीवन को खो देते हैं, जबकि अन्य जो दूसरों की सेवा में स्वयं को खो देते हैं वे विकास करते और संपन्न होते और वस्तुतः अपने जीवन को बचाते हैं ।''[1]

अध्यक्ष मॉनसन की सेवकाई से निम्नलिखित उद्धरणों में, वह अंतिम-दिनों के संतों को याद दिलाते हैं कि वे प्रभु के हाथ हैं और अनंतकाल की आशीषें उनकी प्रतिक्षा करती हैं जो विश्वसनीयता से दूसरों की सेवा करते हैं ।

मंदिर में सेवा

''महान सेवा दी जाती है जब हम उनके लिए प्रतिनिधिक धर्मविधियों को करते हैं जो इस संसार से चले गये हैं । बहुत बार हम उनको नहीं जानते जिनके लिए हम ये कार्य करते हैं । हम किसी धन्यवाद की आशा नहीं करते, न ही हमें इस बात का आश्वासन होता है कि जो हम उनके लिए कर रहे हैं वे इसे स्वीकार करेंगे । फिर भी, हम सेवा करते हैं, और इस प्रक्रिया में हम उसे प्राप्त करते हैं जो किसी अन्य प्रयास से नहीं पाया जा सकताः हम वास्तव में सिय्योन पर्वत पर उद्धारक बन जाते हैं । जिस प्रकार हमारे उद्धारक ने हमारे लिए प्रतिनिधिक बलिदान किया था, इसी प्रकार हम भी, कुछ हद तक, वैसा ही करते हैं जब हम मंदिर में उनके लिए प्रतिनिधिक कार्य करते हैं जिनके पास आगे बढ़ने का कोई साधन नहीं होता जब तक कि कोई जो यहां पृथ्वी पर हैं उनके लिए कुछ कार्य करे ।''[2]

हम प्रभु के हाथ हैं

''मेरे भाइयों और बहनों, हमारे आस-पास वे लोग हैं जिन्हें हमारे ध्यान, हमारे उत्साह, हमारी मदद, हमारी दिलासा, हमारी दया की आवश्वयकता है चाहे वे परिवार के सदस्य हों, मित्र हों, जान-पहचान वाले हों, या अनजान लोग हों । यहां पृथ्वी पर हम प्रभु के हाथ में हैं, हमें सेवा करने और उसके बच्चों को ऊपर उठाने का अधिकार है । वह हम सब पर निर्भर रहता है । ...

''जिस सेवा के लिए हमें नियुक्त किया गया है प्रभु यीशु मसीह की सेवा है ।''[3]

उद्धारकर्ता की छाया में सेवा करना

''नये संसार में, पुर्नजीवित प्रभु ने घोषणा की थी, 'तुम उन कार्यो को जानते हो जिसे तुम्हें मेरे गिरजे में करना चाहिए, क्योंकि जिस कार्य को तुमने मुझे करते हुए देखा है उसे तुम्हें भी करना होगा, क्योंकि जैसा तुमने उसे मुझे करते देखा है तुम्हें भी वैसे ही करना होगा' [3 Nephi 27:21] ।

''हम अन्य लोगों को आशीषित करते हैं जब हम 'नासरत के यीशु ... जो भला करता फिरा' की छाया में सेवा करते हैं [प्रेरितों के काम 10:38] । हमारे स्वर्गीय पिता की सेवा में आनंद पाने में परमेश्वर हमें आशीष दे जब हम पृथ्वी पर उसके बच्चों की सेवा करते हैं ।''[4]

सेवा करने की आवश्यकता

''हमें सेवा करने का अवसर देने की आवश्यकता है । वे सदस्य जो असक्रिय हो गये हैं या वापस आने में संकोच करते और अनिच्छुक है, हम उन तक पहुंचने के मार्ग को पाने के लिए प्रार्थनापूर्वक प्रयास कर सकते हैं । ताकि किसी तरह से वे पूर्ण सक्रियता में वापस आ सकें । लेकिन अकसर वे मार्गदर्शक जो इसमें मदद कर सकते हैं वे ऐसा करने में हिचकते हैं । हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि वे लोग बदल सकते

हैं । वे बुरी आदतों को छोड़ सकते हैं । वे गलतियों के लिये पश्चाताप कर सकते हैं । वे योग्यता से पौरोहित्य धारण कर सकते हैं । और वे मेहनत से प्रभु की सेवा कर सकते हैं ।''[5]

क्या हम वह सब कर रहें जो हमें करना चाहिए ?

''संसार को हमारी मदद की जरूरत है । क्या हम वह सब कर रहें जो हमें करना चाहिए ? क्या हमें अध्यक्ष जॉन टेलर के शब्द याद हैं: 'यदि आप अपनी नियुक्ति को भलीभांति नहीं करते, तो परमेश्वर आपको उन सभी के जिम्मेदार ठहरायेगा जिन्हें आप बचा सकते थे यदि आप अपने कर्तव्य को पूरा करते' ? [Teachings of Presidents of the Church: John Taylor (2001), 164] । पैरों को मजबूत करने, हाथों को थामने, मनों को उत्साहित करने, दिलों को प्रेरणा देने, और आत्माओं को बचाने की आवश्यकता है । अनंतकाल की आशीषें आप की प्रतिक्षा कर रही हैं । आपकी जिम्मेदारी दर्शक बनना नहीं बल्कि सेवा के कार्य में भागीदार बनना है ।''[6]

विवरण

1. ''मैंने आज किसी के लिये क्या किया ?'' *Liahona,* नवं. 2009, 85 ।
2. ''जबतक हम दुबारा मिलते,'' *Liahona,* मई 2009, 113-14 ।
3. ''मैंने आज किसी के लिये क्या किया ?'' 86, 87 ।
4. ''सेवा के लिए उद्धारकर्ता की बुलाहट,'' *Liahona,* अग. 2012, 5 ।
5. ''दूसरों को वैसा देखना जैसे वह बन सकते हैं,'' *Liahona,* नवं. 2012, 68 ।
6. ''सेवा के लिए इच्छुक और योग्य होना,'' *Liahona,* मई 2012, 69 ।
7. *Teaching, No Greater Call: A Resource Guide for Gospel Teaching* (1999), 12

इस संदेश से शिक्षा

''यदि आपके पास मसीह समान प्रेम है, आप सुसमाचार सीखाने के लिए अच्छी तरह तैयार होंगे । आप दूसरों को उद्धारकर्ता को जानने और उसका अनुसरण करने में मदद के लिये प्रेरित होगें ।''[7] जिन से आप भेंट करते हैं उनके लिये अधिक उदारता के लिये प्रार्थना करें । जब आप उनके लिए मसीह समान प्रेम विकसित करते हैं, आप प्रभु और उनकी जिन्हें आप सीखाते हैं अच्छी तरह सेवा करने के योग्य होंगें ।

युवा

सेवा की गरमियां

एलिजाबेथ बलाइट द्वारा

एक गर्मी मैंने विशेष जरूरत वाले बच्चों के साथ विदेश में काम करते हुए समय व्यतीत किया था । जब मैं पहली बार बच्चों से मिली थी तो मैं बहुत घबराई हुई थी । मैं उनकी भाषा नहीं बोलती थी, लेकिन मुझे भरोसा था कि आत्मा मुझे बातचीत करने में मार्गदर्शन करेगी । जब मैं प्रत्येक बच्चे को जान गई, तो मुझे पता चला की प्रेम के लिए भाषा बाधक नहीं है । मैंने बच्चों के साथ खेला, हंसी और हाथ से चीजें बनायी और उनके लिये प्रेम संपूर्ण तौर से महसूस किया । मैंने उस प्रेम की झलक देखी जो स्वर्गीय पिता अपने बच्चों से करता है, और मेरे हृदय में वह आनंद भर गया जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता ।

जब कभी मैं दूसरों की सेवा करती हूं, मैं न केवल उनके लिए प्रेम महसूस करती हैं जिनकी मैं सेवा करती हूं बल्कि स्वर्गीय पिता के लिए भी प्रेम महसूस करती हूं । मैंने वास्तव में समझा था कि ''जब तुम अपने साथियों की सेवा करते हो, तुम अपने परमेश्वर की सेवा करते हो'' (मुसायाह 2:17) । मेरी सेवा का उद्देश्य, चाहे बड़ी सेवा परियोजनाएं हों या दया के छोटे कार्य, परमेश्वर की महिमा करना रहा है (देखें मत्ती 5:16) । मैं आशा करती हूं कि जब मैं दूसरों की सेवा करती हूं, लोग स्वर्गीय पिता के प्रति मेरे प्रेम को और मसीह की ज्योति जो मेरी भीतर प्रज्जवलित होती है पहचानेंगे ।

लेखिका वर्जिनिया, संयुक्त राष्ट्र में रहती है ।

बच्चे

प्रेम की कड़ियां

किसी वयस्क को कागज की 28 पतली पट्टियां काटने दो, प्रत्येक पट्टी 1 इंच चौड़ी और 8 इंच लंबी होनी चाहिए । इस महिने प्रत्येक दिन, किसी के प्रति अपना प्रेम प्रकट करने के लिए एक सेवा का कार्य करें । आप अपने घर की सफाई करने में अपने माता-पिता की मदद कर सकते हो या पड़ोसी को एक दयालु टिप्पणी लिख सकते हो ।

कागज की पट्टियों पर आप प्रत्येक दिन आपने कैसे सेवा की लिखें, और फिर टेप या गोंद से पट्टी को वृताकार में चिपकाएं । कागज की नयी पट्टी के एक सिरे को पिछले दिन की पट्टी से टेप या गोंद से चिपकाने से पहले खिसका कर आप अपने वृतों को जोड़ सकते हैं । प्रेम की कड़ियों को बढ़ते हुए देखें ! आपने सेवा की चेन को जोड़ना फरवरी के बाद भी जारी रख सकते हैं ।

© 2014 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/13 । अनुवाद अनुमतिः 6/13 । *First Presidency Message, February 2014* का अनुवाद । Hindi । 10862 294

यीशु मसीह का दिव्य मिशन : अच्छा चरवाहा

प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और क्या बांटना है को जानने के लिये खोजें । उद्धारकर्ता का जीवन और सेवाकाई की समझ कैसे आपके विश्वास को बढ़ाता और उन्हें आशीष देता है जिनका आप भेंट करने वाला शिक्षका के द्वारा ध्यान रखते हैं ? अधिक जानकारी के लिए पर जाएं reliefsociety.lds.org को देखें।

विश्वास, परिवार, सहायता

भेंट करने वाला शिक्षा संदेश का यह उद्धारकर्ता के सेवाकाई के पहलुओं का वर्णन करने की श्रंखला का एक भाग है ।

अच्छे चरवाहा, यीशु मसीह ने, सीखाया था:

''तुम में से कौन है जिस की सौ भेड़ें हों, और उन में से एक खो जाए तो निन्नानवे को जंगल में छोड़कर, उस खोई हुई को जब तक मिल न जाए खोजता न रहे ? ...

मैं तुम से कहता हूं, कि इसी रीति से एक मन फिरानेवाले पापी के विषय में भी स्वर्ग में इतना ही आनंद होगा, जितना कि निन्नानवे ऐसे धर्मियों के विषय नहीं होता है, जिन्हें मन फिराने की आवश्यकता नहीं । (लूका 15:4,7।

जब हम समझ जाते हैं कि यीशु मसीह अच्छा चरवाहा है, उसका अनुसरण करने और जिन्हें जरूरत है उनकी मदद करने की हमारी इच्छा बढ़ जाती है । यीशु ने कहा था: ''अच्छा चरवाहा मैं हूं, ... और मैं अपनी भेड़ों को जानता हूं और मेरी भेड़ें मुझे जानती हैं और मैं भेड़ों के लिये अपना प्राण देता हूं ।''(यूहन्ना 10:14-15)। मसीह के प्रायश्चित के कारण, हम कभी भी इस तरह नहीं भटकेगें कि हम लौटकर घर वापस न आ सकें (देखें लूका 15) ।

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने कहा था, ''हमारी जिम्मेदारी झूंड की रखवाली करना है । ... हम सब सेवा करने के लिये आगे बढ़ें ।''[1]

धर्मशास्त्रों से

भजन संहिता 23; यशायाह 40:11; मुसायाह 26:21

हमारे इतिहास से

एलिजाबेथ एन विटनी, जिसने पहली सहायता संस्था की सभा में भाग लिया था, 1830 में अपनी बातचीत में कहा था: ''जैसे ही मैंने एल्डरस को सुसमाचार सीखाते हुए सुना मैं जान गयी कि यह अच्छे चरवाहे की वाणी थी ।''[2] एलिजाबेथ ने अच्छे चरवाहे की वाणी का अनुसरण किया और बपतिस्मा लिया और पुष्टिकरण प्राप्त किया ।

हम भी अच्छे चरवाहे की वाणी सुन सकते हैं और दूसरों को उसकी शिक्षाओं को बांट सकते हैं । अध्यक्ष मॉनसन ने कहा है, ''यहां पृथ्वी पर हम प्रभु के हाथ हैं, हमें सेवा करने और उसके बच्चों को ऊपर उठाने का अधिकार है ।''[3]

ठीक जिस प्रकार चरवाहा खोई हुई भेड़ की खोज करता है, माता-पिता भटके बच्चे की खोज कर सकते हैं । अध्यक्ष जेम्स ई. फॉउस्ट (1920-2007), प्रथम अध्यक्षता में द्वितीय सलाहकार, ने कहा था: ''उन निराश माता-पिता से जो अपने अवज्ञाकारी बच्चों के लिये धर्मी, भले, और प्रार्थना करते रहें हैं, हम कहना चाहते हैं, अच्छा चरवाहा उनकी रखवाली कर रहा है । परमेश्वर आपके गहरे दुख को जानता और समझता है । आशा बनायें रखें ।''[4]

विवरण

1. Thomas S. Monson, "Heavenly Homes, Forever Families," *Liahona,* जून 2006, 70 ।
2. Elizabeth Ann Whitney, Daughters in My Kingdom: The History and Work of Relief Society (2011), 128 में ।
3. Thomas S. Monson, "What Have I Done for Someone Today?" *Liahona,* नवं. 2009, 86 ।
4. James E. Faust, "Dear Are the Sheep That Have Wandered," *Liahona,* मई 2003, 68 ।

मैं क्या कर सकती हूं ?

1. किस प्रकार यह जाने से कि उद्धारकर्ता अच्छा चरवाहा है हमारे जीवनों में शांति आ सकती है ?

2. हम किस प्रकार उनकी सेवा कर सकते हैं जो ''खो'' गये हैं या हमारे विश्वास के नहीं हैं ?

3. मैं किस प्रकार उन माता-पिता की मदद कर सकती हूं जिनके बच्चे सुसमाचार से भटक गये हैं ?

© 2014 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/13 । अनुवाद अनुमतिः 6/13 । *Visiting Teaching Message, February 2014* का अनुवाद । Hindi । 10862 294